एक नजर में

कांग्रेस अनुजाति विभाग की कार्यकारणी घोषित

निवाली। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनु जाति विभाग द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी को स्वीकृत प्रदान की गई। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने नियुक्ति आदेश जारी किया। जिसके अनुसार जिलाध्यक्ष अविनाश आर्य की अनुशंसा पर स्वीकृत जिला कार्यकारीणी में युवा वर्ग को विशेष प्राथमिकता दी। नव नियुक्त पदाधिकारियों को पूर्व गृहमंत्री व विधायक बाला बच्चन, बड़वानी विधायक राजन मण्डलाई जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नानेश चौधरी, संगठन मंत्री नासिर भाई, सुनिल यादव, राहुल राठौड़, अजय ठाकुर, विष्णु बनड़े, राकेश जाधव, इश्वर इशु यादव, सचिन पुरोहित, नितीन यादव व कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

छात्राओं का परीक्षण कर दिए नि:शुल्क चश्में

बड़वानी। सीएमएचओ डॉ जयपालसिंह ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ मनोज खन्ना एवं डीपीएम डॉ विमलेश चोयल मार्गदर्शन में उप जिला कार्यक्रम प्रंन्धक (अन्धतव) अनिल राठौर के नेतृत्व में नेत्र परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें नेत्र सहायक दीपक सोनी, रविन्द्र टेकाम एवं जयनारायण कुशवाह द्वारा शाकउमा विद्यालय की छात्राओं का नेत्र परीक्षण किया गया। इस दौरान कई छात्राओं को दृष्टिदोष पाया गया। इसके बाद छात्राओं की चश्में के नंबर की जांच की गई। 16 जुलाई को जिला चिकित्सालय की तरफ से 25 चश्में नि:शुल्क दिए। कार्यक्रम में प्राचार्य शाकउमावि मो मुस्तकिम खान एवं स्कूल के स्टॉफ का सहयोग रहा।

राशन घोटाला करने वाले प्रबंधक-विक्रेता को जेल

बड़वानी। गरीबों के हक के राशन में कथित गड़बड़ी करने वाले उचित मूल्य दुकान के प्रबंधक व विक्रेता को न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। बहुचर्चित राशन वितरण अनियमितता प्रकरण में न्यायालय ने पाया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न के वितरण एवं स्टॉक में गंभीर अनियमितताएं हुई थी। मामले के अनुसार जांच के दौरान दुकान के पीओएस रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक के सत्यापन में गेहूं एवं चावल की बड़ी मात्रा कम पाई गई थी। शिकायतों और जांच के बाद प्रबंधक लालसिंह चौहान तथा विक्रेता राजू अलावे के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम एवं आपराधिक न्यास भंग के आरोपों में प्रकरण दर्ज किया था। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष ने तकनीकी, दस्तावेजी साक्ष्य एवं गवाहों के माध्यम से आरोप सिद्ध किए। विशेष न्यायाधीश एलडी सोलंकी ने 16 जुलाई को दोनों आरोपियों को 4-4 वर्ष के कठौर कारावास तथा 25-25 हजार रूपए अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर 6 माह का अतिरिक्त कठौर कारावास भुगतना होगा। प्रकरण में शासन की ओर से प्रभावी पैरवी अपर लोक अभियोजक जगदीश यादव ने की।

बाइक छीनने वाले गिरोह के दो बदमाश पकड़ाए

आलीराजपुर। केबी रोड पर मुकाम के ढाबे के पास आधी रात को दराते दिखाकर धमकाने और बाइक छीनने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने एक बाइक भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए बदमाशों में सचिन पिता विजय उर्फ विदा गुथरिया, जितेन्द्र पिता अलपसिंह गुथरिया जाति भीलाला दोनों निवासी ग्राम उण्डारी पटेल फलिया हैं। इन्होंने 9 जुलाई की रात करीबन 12 बजे फरियादी को डरा-धमकाकर बाइक छीन ली थी। फरियादी ने थाना नानपुर इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाई। आरोपियों का पुलिस रिमांड लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ की गई, जिसमें सभी आरोपियों ने मिलकर कुछ महीने पूर्व ग्राम खारी में घर का ताला तोड़कर बकरे चोरी करना और एक मोटरसाइकिल को चोरी करना कबूला है। आरोपियों के अन्य साथियों की पुलिस तलाश कर रही है।

आपदा प्रबंधन और बचाव के लिए लोगों को दे रहे प्रशिक्षण

आलीराजपुर। जिले में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के लिए 7 दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्टर नीतू माथुर ने शुरू किया। इसका उद्देश्य आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, राहत एवं बचाव कार्यों में दक्षता विकसित करने तथा समाज में आपदा प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना है। कलेक्टर नीतू माथुर ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल स्वयंसेवकों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगी है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय किसी एक व्यक्ति का जीवन भी बचाया जा सके तो यह प्रशिक्षण सफल माना जाएगा। उन्होंने बताया कि कई देशों में बचपन से ही आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाता है और इसी प्रकार समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल होमगार्ड या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होम गार्ड एंड सिविल डिफेंस गुलाब सिंह ने बताया कि सात दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार आपातकालीन परिस्थितियों में राहत कार्य आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नए डीआईजी ने थाना प्रभारियों की ली बैठक

बड़वानी, (नवभारत)। नवनियुक्त डीआईजी निमाड़ रेंज खरगोन सिमाला प्रसाद के बड़वानी जिला भ्रमण के दौरान 16 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागृह में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। डीआईजी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने भाग लिया।

बैठक की शुरुआत में एसपी पद्मविलोचन शुक्ल एवं एएसपी धीरज बब्बर ने डीआईजी को पुष्पगुच्छ भेंट कर गरिमामयी स्वागत किया। इसके बाद डीआईजी ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और जिले की भौगोलिक स्थिति व अपराधों के पैटर्न की संक्षिप्त जानकारी ली। बैठक में बड़वानी पुलिस द्वारा किए गए कार्यों का एक प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया, जिस पर डीआईजी ने संतोष व्यक्त किया।

डीआईजी ने दिए प्रमुख निर्देश

वर्तमान में वर्षाकाल को देखते हुए नदी-नालों और पुल-पुलियाओं पर जलभराव की स्थिति में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चेतावनी बैनर व सूचना पत्र लगाए जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी (कोटवारों द्वारा डोंडी पिटवाकर) कराकर लोगों को सचेत किया जाए। ग्राम व नगर रक्षा समितियों को सक्रिय कर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। प्रत्येक थाने में एक वार्षिक कैलेंडर तैयार हो, जिसमें क्षेत्र में होने वाले आगामी त्यौहारों, पर्वों और अन्य सामाजिक गतिविधियों का स्पष्ट उल्लेख हो ताकि सुरक्षा व्यवस्था पूर्व नियोजित रहे। साथ ही अन्य प्रमुख निर्देश भी दिए गए।

बैठक में एसडीओपी महेश सुनैया, एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे, डीएसपी (अजाक) निलेश्वरी डावर, रक्षित निरीक्षक चेतन बघेल, उषा सिसोदिया, जिले के सभी थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टॉफ मुख्य रूप से मौजूद रहा।

> **पुलिसिंग को डिजिटल बनाने की ओर बढ़ाएंगे कदम...**
> बेसिक पुलिसिंग पर हमारा पूरा ध्यान होना चाहिए। जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता, त्वरितता और पारदर्शिता से हल करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी सजगता, प्रतिबद्धता और टीमवर्क के साथ कार्य करें। साथ ही पुलिसिंग को पूरी तरह डिजिटल और प्रभावी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

पर्यावरण बचाने की छात्राओं को दिलाई शपथ

पानसेमल। शासकीय कन्या उमावि में ईको क्लब अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इस दौरान संस्था प्रभारी सरिता धार्वे, संजय कुमार शिरोडे, सुधीर पाटिल, सुदाम पवार, वीरसिंह आर्य, मनीषा आर्य, रामजी जाधव, पवन खेड़कर और स्टॉफ मौजूद रहा। पौधारोपण के दरमियान अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल का भी छात्राओं ने संकल्प लिया गया। रामफल, कदम, गुड़हल, कन्हेर, पीपल, बरगद, नीम, त्रिवेणी रोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

> शिक्षकों ने बताया कि वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ ही जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। ये आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहर है। पौधारोपण व संरक्षण की शपथ संस्था के वरिष्ठ संजय कुमार शिरोडे ने दिलाई। आभार मीना गिरासे ने माना।

अवैध सट्टे पर पुलिस का बड़ा प्रहार

बड़वानी, (नवभारत)। जिले में अवैध सट्टा कारोबार के खिलाफ एसपी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत नागलवाड़ी और ठीकरी पुलिस ने बड़ी कार्रवाइयां करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नागलवाड़ी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम ओझर में घेराबंदी कर बैडीपुरा निवासी दो सगे भाइयों रविन्द्र 35 और महेन्द्र 31 पिता कल्लू भोई को रंगे हाथों दबोचा। इनके पास से सट्टा डायरी, 3 पर्चियां और 6870 नगद जब्त कर मप्र पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रामकुमार पाटील व चौकी प्रभारी राकेश मंडलोई की मुख्य भूमिका रही।

दूसरी ओर थाना ठीकरी पुलिस ने गुरुवार को क्षेत्र में दबिश देकर सट्टे का दांव लगाते हुए 5 आरोपियों फिरोज खान, अकरम खान, अजय वर्मा, नीरज जादम और गोपाल मेघवाल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से सट्टा सामग्री सहित 6090 नगद बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक द्यूत अधिनियम व बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों कार्रवाइयों में पुलिस ने 12960 नगद व सट्टा उपकरण जब्त कर 7 आरोपियों को हिरासत में लिया हैं। पुलिस ने जनता से अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की है।

सर्व आदिवासी समाज की बैठक में कई निर्णय

▶ विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर की चर्चा

सेंधवा, (नवभारत)। शहर स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में विश्व आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर सर्व आदिवासी समाज की बैठक हुई। जिसमें 9 अगस्त के आयोजन को ऐतिहासिक बनाने, अधिकारों की रक्षा, विस्थापन के विरोध और आगामी रणनीति तय करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ सामाजिक नेत्री सुमली बाई ने की। संचालन कनसिंग कनोजे एवं ईआर कलम अवाया ने किया। जबकि ईश्वर भुगवाड़े ने आभार व्यक्त किया। बैठक में समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे व आयोजन को व्यापक स्वरूप देने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

आदिवासी एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष गजानन्द ब्राह्मणे ने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य आदिवासी समाज के मानवाधिकारों की रक्षा, जल-जंगल-जमीन एवं खनिज संपदा पर अधिकारों का संरक्षण, अस्मिता, आत्मसम्मान, संस्कृति, इतिहास और अस्तित्व की सुरक्षा के साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

वक्ताओं ने कहा कि 9 अगस्त केवल पारंपरिक उत्सव का दिन नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, संस्कृति और आत्मसम्मान की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। 9 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग की गई। साथ ही खीवनी, ओंकारेश्वर, खंडवा तथा खरगोन के दगलखेड़ी सहित आदिवासी क्षेत्रों में विकास के नाम पर हो रहे विस्थापन का कड़ा विरोध जताया गया। आयोजन को लेकर 18 जुलाई को भी बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान सेंधवा विधायक मोंटू सोलंकी, गजानन्द ब्राह्मणे प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी एकता परिषद, राहुल सोलंकी जिला अध्यक्ष मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद युवा प्रभाग, राजेश कनोजे, गेंदराम डावर, दूरसिंग डावर, सुनील नरगावे, दुर्गा जाधव, अमरसिंग दादा रोजानिमाल, मुकेश डूडवे, सुमली बाई खुटवाड़ी सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

100 करोड़ की लागत वाले दादाजीधाम का आया पहला नक्काशीदार पिल्लर

▶ भव्य रूप में आकार लेगा श्री दादाजी धाम

खंडवा। दादाजी भक्तों की वर्षों पुरानी मुराद अब श्री दादाजी महाराज के आशीर्वाद से मूर्त रूप लेने जा रही है। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले भव्य श्री दादाजी धाम मंदिर के निर्माण कार्य ने अब तेज गति पकड़ ली है। मकराना के सफेद संगमरमर से बनने वाले इस दिव्य मंदिर के लिए पहली नक्काशीदार शिला (प्रथम पिल्लर) खंडवा पहुंच चुकी है। बुधवार को गणमान्य जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में इस प्रथम पिल्लर का विधिवत पूजन संपन्न हुआ।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ प्रथम पिल्लर का पूजन आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा (गुप्त नवरात्रि) के शुभ अवसर पर श्री छोटे दादाजी की आज्ञा से इस प्रथम मार्बल शिला का पूजन किया गया। मध्य प्रदेश के जनजातीय कल्याण कैबिनेट मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक कंचन तनवे और कलेक्टर ऋषभ गुप्ता सहित समिति सदस्यों ने इस शिला का पूजन किया। पंडित अवधेश ओझा द्वारा पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई गई। पूजन के पश्चात सांसद ने अपने हाथों से उपस्थित सभी लोगों को मिठाई खिलाकर इस ऐतिहासिक पल की खुशी साझा की। इसके साथ ही, सांसद और कलेक्टर ने निर्माण स्थल का जायजा लेते हुए उपस्थित ठेकेदारों और समिति के सदस्यों को इन शिलाओं को शीघ्र ही मंदिर प्रांगण में असेंबल करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिवक्ता राकेश थापक, एडीएम सृष्टि गोडा देशमुख, एसडीएम श्री सिंघई, ट्रस्टी शांतनु दीक्षित, ठेकेदार नितिन मिश्रा, राहुल बिसेन सहित बड़ी संख्या में दादाजी भक्त मौजूद रहे।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के समान मकराना मार्बल से होगा निर्माण -प्रस्तावित मंदिर की डिजाइन और 3D नक्शे के अनुसार, यह मंदिर अपनी दिव्यता और वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण होगा। मंदिर का निर्माण मकराना के उसी उच्च गुणवत्ता वाले सफेद मार्बल से किया जाएगा, जिसका उपयोग अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में किया गया है। इस भव्य निर्माण में लगभग 1.10 लाख घनफुट मार्बल का उपयोग होना है। वास्तुकला के इस अनूठे प्रोजेक्ट के तहत मंदिर 23,616 वर्गफीट के विशाल क्षेत्रफल में आकार लेगा, जिसकी सामने की चौड़ाई 164 फीट और पीछे तक की लंबाई 144 फीट निर्धारित की गई है।

108 खंभों और भव्य शिखरों से झलकेगी अलौकिकता -नवनिर्मित मंदिर की भव्यता इसके शिखरों और खंभों में स्पष्ट रूप से नजर आएगी। बड़े दादाजी मंदिर के मुख्य शिखर की ऊंचाई 101 फीट होगी, जबकि छोटे दादाजी और नर्मदा माई मंदिर के शिखरों की ऊंचाई 71-71 फीट रखी जाएगी। संपूर्ण मंदिर का प्रांगण 18 फीट ऊंचे कुल 108 खंभों पर निर्मित होगा। इनमें से 84 खंभे प्रकट अवस्था में श्रद्धालुओं को नजर आएंगे, जबकि 24 खंभे दोनों समाधियों के गर्भगृह की दीवारों के भीतर समाहित होंगे।

> **2030 तक निर्माण पूर्ण करने का ऐतिहासिक लक्ष्य**
> मंदिर नव-निर्माण समिति ने इस विशाल और दिव्य प्रोजेक्ट को वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह वर्ष आध्यात्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2030 में बड़े दादाजी महाराज के समाधिस्थ होने के पूरे 100 वर्ष (शताब्दी वर्ष) पूर्ण हो रहे हैं। निर्माण पूर्ण होने के बाद यह भव्य मंदिर दादाजी भक्तों के लिए एक अद्वितीय और अलौकिक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अपनी छटा बिखेरेगा।

1102 बोरी यूरिया का स्टॉक रिकॉर्ड में, गोदाम में एक भी नहीं...

▶ कृषि सेवा केंद्र संचालक पर एफआईआर दर्ज

खंडवा। जिले में उर्वरक की कालाबाजारी और अनियमितताओं पर कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रूस्तमपुर स्थित मेसर्स प्रेरणा कृषि सेवा केन्द्र के संचालक के खिलाफ पंधाना थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जांच में रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई।

उप संचालक कृषि नितेश यादव ने बताया कि उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जितेन्द्र सिंह दादौरिया ने बुधवार को प्रेरणा कृषि सेवा केन्द्र का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा उर्वरक भंडारण एवं विक्रय में उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 की धारा 4, 5, 8 एवं 35 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा था।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) मशीन में यूरिया के 1102 बैग उपलब्ध दर्शाए जा रहे थे, जबकि मौके पर निरीक्षण के दौरान यूरिया का एक भी बैग नहीं मिला। विभाग का कहना है कि यह स्थिति अवैध व्यापार और स्टॉक में हेराफेरी की ओर संकेत करती है।

जांच में यह भी सामने आया कि केंद्र संचालक ने शासन के ई-टोकन सिस्टम संबंधी निर्देशों का पालन नहीं किया। किसानों को पारदर्शी तरीके से उर्वरक वितरण सुनिश्चित करने के लिए लागू व्यवस्था की अनदेखी की गई।

इन गंभीर अनियमितताओं के आधार पर उर्वरक निरीक्षक ने बुधवार देर रात पंधाना थाने में संबंधित संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और नियमों के उल्लंघन के मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध हो सके।

जवाहर नवोदय विद्यालय में चयन के लिए आवेदन 31 तक

आलीराजपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय, आलीराजपुर में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए छठी में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026 को होगी। विद्यालय में प्रवेश के लिए कुल 80 सीटें उपल ध हैं। प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय ने बताया कि परीक्षा में केवल वही विद्यार्थी आवेदन करने के पात्र होंगे, जो आलीराजपुर जिले के वास्तविक निवासी हों तथा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में जिले के किसी शासकीय अथवा शासन से मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत हों। उन्होंने बताया कि कक्षा छठी में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के मध्य होना अनिवार्य है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 31 जुलाई 2026 तक अपना आवेदन वेबसाइट *www.navodaya.gov.in* पर ऑनलाइन भर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है।

जब हर गली में नशा उपलब्ध, तो जागरूकता कितनी कारगर...

आलीराजपुर। जिले में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से जिला पुलिस ने मंगलवार को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। जिला मुख्यालय स्थित डीआईईटी कॉलेज से अभियान की शुरुआत करते हुए पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणाम बताए तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस अवसर पर जागरूकता रथ को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करेगा।

पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह के मार्गदर्शन में कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति उमठ बघेल, एसडीओपी डॉ. शक्ति सिंह चौहान, एसडीओपी आशुतोष पटेल, महिला सेल एसडीओपी त्रिलोकचंद पवार, डीआईईटी प्रशिक्षण प्रभारी के.सी. सिसोदिया सहित जिले के पुलिस अधिकारी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। हालांकि अभियान की शुरुआत के साथ ही जिले में एक महत्वपूर्ण सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है। सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों का कहना है कि सिर्फ जागरूकता अभियान चलाने से नशे की समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है। जिले के कई क्षेत्रों में शराब, अवैध शराब, गांजा और अन्य मादक पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में यदि नशे के कारोबार पर समान रूप से कठोर और लगातार कार्रवाई नहीं होती, तो केवल जागरूकता कार्यक्रमों का अपेक्षित प्रभाव सीमित रह सकता है।